पाठ 19. बिरछा बाबा

पाठ का उद्देश्य

इस एकांकी से बच्चों को हास्य व्यंग्य का परिचय प्राप्त होगा। उनका संवाद-लेखन का अभ्यास बढ़ेगा। इस एकांकी को अभिनय के रूप में प्रस्तुत करने से उनका परिचय नए शब्दों व वाक्यों से होगा जिससे उनका भाषा-ज्ञान बढ़ेगा व शब्दों के शुद्ध उच्चारण जानेंगे। एकांकी के चरित्रों के माध्यम से उनकी कल्पनाशीलता का विकास होगा।

- अध्यापक बच्चों को इस एकांकी को नाटक के रूप में प्रस्तुत करने को कहें।
- बच्चों के समूह बना दिए जाएँ।
- बच्चे एक साथ मिलकर काम करें।
- वे सभी एक-दूसरे को मार्गदर्शन देकर नाटक को प्रभावी बनाएँ।

इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी तथा तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। आपस में मिल-जुलकर काम करने तथा विचारों का आदान-प्रदान करने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।